हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 3 मई 2025

तापमान

अधिकतम 29 .5 डिग्री
न्यूनतम 19 . 5 डिग्री

12 पुलिस पर पथराव करने का आरोपी गिरफ्तार

12 गोपालपुरा के ग्रामीणों ने ली पानी बचाने की शपथ

खबर संक्षेप

भटसाना गांव से बिजली ट्रांसफार्मर चुरा ले गए

धारूहेड़ा। भटसाना गांव में चोर एक किसान के खेत में लगा बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। निगम के एसडीओ ने पुलिस शिकायत में बताया कि गांव में एक किसान भीमसिंह के खेत में 25 केवी क्षमता का बिजली ट्रांसफार्मर लगा हुआ था। गत 14 अप्रैल की रात यह ट्रांसफार्मर चोरी हो गया। इससे बिजली निगम को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। किसान की बिजली भी बाधित हो गई। निगम के जेई की ओर से उसे ट्रांसफार्मर चोरी होने की सूचना दी गई। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने एसडीओर की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खिलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बंजारवाड़ी निवासी शंकर उर्फ शंभू बीएमजी मॉल के पीछे गली में सट्टा खिला रहा है। सूचना मिलने के बाद सादी वर्दी में पुलिसकर्मी वहां पहुंच गए। वह लोगों को सट्टा खिलाने के लिए आवाज लगा रहा था। आरोपी को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 2190 रुपये राशि व पर्चियां बरामद की गई हैं। आरोपी के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

मकान के ताले तोड़कर बुजुर्ग की नकदी चोरी

कुंड। मायन गांव में चोर एक बंद मकान के ताले तोड़कर बुजुर्ग की नकदी चोरी कर ले गए। थाना खोल पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस शिकायत में 95 वर्षीय ओमप्रकाश ने बताया कि वह 14 अप्रैल को अपने दिल्ली मकान में गया था। जब वह दिल्ली से वापस गांव आया तो उसके मकान के कमरों के ताले टूटे हुए थे। चोर उसके पलंग पर बिस्तर के नीचे रखे 8500 रुपये व लगभग 400 रुपये के सिक्के चोरी कर ले गए। आसपास पूछताछ करने के बाद भी चोरों का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

आईजीयू में ई-रिसोर्सेस पर कार्यशाला का आयोजन

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेई पुस्तकालय में ई-रिसोर्सेस पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रिफ्रेड सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड से प्रशिक्षक वंशिका ने 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' के अंतर्गत ई रिसोर्स के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

शहर की सड़कों पर बाधा बन रहे झुके हुए पेड़ अधिकारियों की सुस्ती से हो सकते हैं हादसे

गर्मी के मौसम में आंधी चलने पर कर रहे फाल्ट, बरसात आने पर गीले पेड़ होने से करंट आने की आशंका

नगर परिषद के मुख्य गेट पर झुका हुआ पेड़

नगर परिषद कार्यालय में खड़ी ट्रीमिंग मशीन

सचिवालय रोड पर झुके हुए पेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गर्मी के मौसम में अंधड़ व बारिश का दौर शुरू हो चुका है। आंधी चलने से पेड़ों के बीच से गुजरी रही बिजली की लाइनों के आपस में सम्पर्क में आने से फाल्ट होने समस्या ज्यादा बढ़ जाती है।

फाल्ट होने पर बिजली निगम के कर्मचारियों को इसे ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ी है। भीषण गर्मी में फाल्ट के कारण बिजली भी गुल रहने ने लोगों के पसीने छूट जाते है। अक्सर बरसात के कारण गीले पेड़ों के बिजली लाइनों के संपर्क में आने से करंट प्रवाहित होकर हादसे होते रहते हैं। हालांकि मानसून अभी नहीं आया है, लेकिन शहर से गांवों तक में पेड़ों के बीच से गुजर रहे बिजली के तार फाल्ट का कारण बन रहे है। शहर से लेकर अधिकांश गांवों तक में बिजली की लाइनें कई स्थानों पर पेड़ों के बीच से गुजर रही हैं। शहर के मुख्य मार्गो व कॉलोनियों में काफी पेड़ों की भारी-भरकम टहनियां सड़क पर लटक रही है। यहां तक की नगर परिषद के पास व सचिवालय के बाहर सड़क पर काफी पेड़ झुके हुए है। अंधड चलने से यह पेड़ सड़कों पर गिरकर यातायात बाधित करने के साथ हादसों को भी अंजाम दे सकते है। शुक्रवार को अंधड व बारिश के कारण जिले के ग्रामीण क्षेत्रों काफी पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए। वही शहर में भी पेड़ों की टहनियां टूट गई।

पेड़ों की कटाई नहीं हुई

बिजली निगम के कर्मचारी ही फाल्ट आने पर बिजली लाइनों के संपर्क में आने वाले पेड़ों की छंटाई का कार्य कर रहे हैं। हांलाकि उन्हें पेड़ काटने की अनुमति नहीं होती। वह उन टहनियों को काटते हैं, जो बिजली की लाइनों के संपर्क में आ जाती हैं। इस समय सैकड़ों स्थानों पर बिजली की लाइनें पेड़ों की टहनियों से गिरी हुई हैं। वन विभाग की ओर से भी पेड़ों की कटाई-छंटाई पर कम ही ध्यान दिया जाता है।

नगर परिषद नहीं कर रही ट्रीमिंग मशीन का इस्तेमाल

शहर में पेड़ों की कटाई-छंटाई के लिए नगर परिषद की ओर से फरवरी माह में करीब 38 लाख कीमत की स्काई लिफ्ट ट्री मेंटेनेंस मशीन खरीदी जा चुकी है, लेकिन यह ट्रीमिंग मशीन ढाई महीने से कार्यालय परिसर में खड़ी हुई थी। हांलाकि गत अप्रैल माह में मशीन का उद्घाटन किया जा चुका है, लेकिन नगर परिषद की ओर से अभी तक मशीन का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

सड़कों के साथ गुजरती लाइनों से खतरा

सड़कों के किनारे लगभग सभी रोड के समानांतर बिजली की लाइनें गुजर रही हैं। इन लाइनों से पेड़ों की टहनियां सटी हुई हैं। ऐसे ही हालात गांवों के आम रास्तों से गुजरने वाली बिजली की लाइनों के बने हुए हैं। कई जगह पर तो लाइनों के सभी तार पेड़ों के बीच से गुजर रहे हैं। बरसात के समय पेड़ गीला होने की सूरत में हादसों का कारण साबित हो सकते हैं। शहर में जितने भी बिना नंबर के पेड़ है, वह सब नगर परिषद के अधीन आते है। इनकी कटाई-छंटाई का कार्य नगर परिषद को कराना होता है। नगर परिषद को ट्रीमिंग मशीन मिलने के बाद भी पेड़ों की कटाई-छंटाई नहीं की जा रही है। ट्रीमिंग मशीन कार्यालय खड़ी-खड़ी शोपीश बनी हुई है।

आंधी के साथ कई क्षेत्रों में बरसात, 10 डिग्री से अधिक गिरा पारा, भारी गर्मी से मिली राहत

आंधी के कारण कई जगह पेड़ व बिजली के पोल गिरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते मौसम में बड़ा बदलाव आया है। तेज आंधी के साथ कई इलाकों में बरसात होने से पारा 10 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गिरा है। आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ व बिजली के पोल टूट गए। इससे बिजली व्यवस्था चरमरा गई।

लोगों को भारी गर्मी से काफी हद तक राहत मिली है। लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रहने के आसार हैं। इस दौरान तेज हवाओं या आंधी के साथ हल्की बरसात या बूंदाबांदी होने की संभावना है। वीरवार की रात मौसम में बदलाव के बाद तेज आंधी के साथ कई इलाकों में हल्की बरसात हुई। जिले में शुक्रवार सुबह 8 बजे तक औसत 4 एमएम बरसात दर्ज की गई। रेवाड़ी व बावल खंडों में सर्वाधिक 6-6 एमएम बरसात हुई, जबकि बावल में सबसे कम 1.5 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई।

रेवाड़ी। एक सड़क के किनारे आंधी से झुका हुआ बिजली का पोल।

कई गांवों में बाधित हुई बिजली

बिजली निगम के सूत्रों ने बताया कि रात को आई आंधी के बाद लगभग तीन दर्जन गांवों में पेड़ व बिजली के पोल गिर गए। इससे इन गांवों की बिजली व्यवस्था डगमगा गई। दो दर्जन से ज्यादा फीडर ट्रिप कर गए। बाद में इन फीडरों को बारी-बारी से चालू किया गया। शुक्रवार शाम तक कुछ गांवों में बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी थी। निगम कर्मचारी फॉल्ट लाइनों को ठीक करने में लगे हुए थे। मौसम का मिजाज ठंडा होने के बाद जिले में बिजली की खपत लगभग 10 लाख यूनिट तक कम हो गई है, जिससे लोगों को कुछ दिनों तक पावर कटों से भी राहत मिली रहेगी।

अब डीटीपी का नेशनल हाइवे पर बड़ा एक्शन

रूध की सीमा में 6 एकड़ में विकसित हो रही कॉलोनी, प्रॉपर्टी डीलर का कार्यालय ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अवैध कॉलोनियां विकसित करने वाले लोगों के खिलाफ डीटीपी की कार्रवाई लगातार चल रही है। शुक्रवार को डीटीपी की टीम ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर रूध की सीमा में 6 एकड़ में विकसित हो रही कॉलोनी को जेसीबी मशीन से समतल कर दिया गया।

एक प्रॉपर्टी डीलर का कार्यालय भी डीटीपी के एक्शन की चपेट में आ गया। पुलिस बल की मौजूदगी के चलते इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ। प्रदेश सरकार की ओर से गत वर्ष शुरू की गई पुरानी अनियमित कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया के बाद अवैध कॉलोनियां काटने की होड़ लगी हुई है। फसल कटाई का कार्य पूरा होने के बाद प्लॉटिंग भी तेज हो गई है। डीटीपी की ओर से अवैध कॉलोनियां काटने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई तेज की हुई है। शुक्रवार को डीटीपी की टीम रूध गांव की राजस्व सीमा में जेसीबी मशीन, ड्यूटी मजिस्ट्रेट व पुलिस बल के साथ पहुंची। टीम ने 6 एकड़ जमीन में विकसित हो रही कॉलोनी को जमींदोज कर दिया। इस कार्रवाई के तहत टीम ने 35 डीपीसी, 5 चारदीवारी, एक प्रॉपर्टी डीलर का अवैध रूप से बनाया गया ऑफिस, हरित पट्टी में किए गए निर्माण व कच्चे रोड नेटवर्क को जमींदोज कर दिया। डीटीपी का एक्शन शुरू होने के बाद विरोध करने के लिए भी संबंधित लोग एकत्रित हो गए।

अवैध निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं

प्रॉपर्टी डीलर लोगों को झांसा देकर अवैध कॉलोनियों में प्लॉट बेचने का कार्य कर रहे हैं। प्लॉट खरीदने वाले लोगों को पहले डीटीपी ऑफिस से यह पता लगाना चाहिए कि वह जिस स्थान पर प्लॉट खरीद रहे हैं, वह कॉलोनी नियमित है या नहीं। अनियमित कॉलोनियों में किए जाने वाले निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।-मंदीप सिंह सिहाग, डीटीपी।

प्लॉटिंग करने वालों में मचा हड़कंप

डीटीपी की तोड़फोड़ की कार्रवाई से अवैध रूप से प्लॉटिंग करने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। बड़ी संख्या में प्लॉटिंग का खेल खेला जा रहा है। लोगों को जल्द कॉलोनी विकसित होने का झांसा देकर प्लॉट बेचे जा रहे हैं। रबी फसल कटाई का कार्य पूरा होने के बाद कृषि भूमि पर भी प्लॉट काटे जा रहे हैं। नारनौल रोड पर एम्स के आसपास बड़ी संख्या में प्लॉटिंग हो रही है। शहर के पास रामगढ़ रोड व आसपास के एरिया में प्रभावशाली लोग प्लॉट काटकर बिक्री करने में लगे हुए हैं। ऐसे में लोगों में डीटीपी के एक्शन ने खलबली मचाने का काम किया हुआ है।

मारपीट मामले में सरपंच सहित कई लोग नामजद

- पीड़ित बुजुर्ग ने सीएम विंडो पर लगाई थी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीएम विंडो पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराने वाले पाली निवासी 72 वर्षीय बुजुर्ग के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने सरपंच सहित कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बावल हलका विधायक को दी गई शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

विधायक को लिखे पत्र में जयलाल ने बताया था कि उसने गांव में अवैध कब्जे हटवाने के लिए सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई थी। 21 मार्च को गिरदावर, पटवारी व सरपंच सहित पैमाइश कराने वाली टीम गांव में पहुंची थी। गिरदावर ने फोन करके उसे मौके पर बुला लिया।

इसके बाद गांव की पांच औरतें मौके पर पहुंच गई। इन औरतों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। वह जान बचाने के लिए वहां से दौड़ा, तो इन औरतों ने पीछा करते हुए उसे जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद मारपीट करते हुए उससे कागजों पर साइन करा लिए। जयलाल ने गांव के सरपंच पर भी अवैध कब्जा करने वाले लोगों का साथ देने का आरोप लगाया है। विधायक ने उसकी शिकायत एसपी को प्रेषित कर दी।

सेवानिवृत्ति पर सुपरिटेंडेंट रतन सिंह का सम्मान

रेवाड़ी। सेवानिवृत्ति पर रतनसिंह को सम्मानित करते हुए प्रबुद्ध लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राव तुलाराम विहार निवासी रतन सिंह यादव इंडियन रेलवे में 34 साल सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया।

सभी गणमान्य लोगों ने उनके कार्यों की सराहना की । गांव रामपुरा के सरपंच नरेश यादव नरू ने उनका सम्मान करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त होना सरकारी प्रक्रिया का एक हिस्सा है ओर रतन सिंह यादव ने अपनी ड्यूटी का अच्छी तरह से निर्वहन करते हुए बड़ी ईमानदारी से कार्य किया। नरू यादव ने कहा कि रतन सिंह यादव सामाजिक कार्यों में भी व्यस्त रहते है ओर उनके अनुभव ओर मार्गदर्शन की जरूरत रहेगी। पूर्व चेयरमैन वीपी यादव, मदन मोहन जीएम कपारो मारुति, सरपंच रविंद्र हाथी माजरा, युवा भाजपा नेता अमन धामलावास, मास्टर नरेंद्र न्यू इरा, जवाहरलाल दूहन, जजपा नेता विपिन यादव माजरा, प्राचार्य रमा बाई, प्राचार्य रोशनी देवी, जगदीश प्रधान, दिलबाग सिंह, केके यादव रणपाल पंच रामपुरा ने भी कहा कि रतन सिंह यादव के रेलवे में दिए गए योगदान को सदा रखा जाएगा।

खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में लगाया समाधान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के विधायक अनिल यादव ने शुक्रवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को बिजली-पानी से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश दिए। जाटूसाना बीडीपीओ ब्लॉक में आयोजित समाधान शिविर में विधायक अनिल यादव ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अपने कर्तव्य को निभाते हुए आमजन की सुनवाई करे।

उन्होंने कहा कि बिजली और पानी से संबंधित शिकायत का निवारण प्राथमिकता से किया जाए। समाधान शिविर में गांव सैदपुर चांग और बोहतवास की पंचायत ने विधायक के समक्ष पानी की समस्या को रखी। बोहतवास में बुस्टिंग स्टेशन की मोटरों की क्षमता को बढ़ाने तथा सैदपुर में पानी की सप्लाई को नियमित रूप से दिए जाने की मांग की गई। विधायक ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सुचारू पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गांव जाटूसाना की विद्या देवी ने कहा कि उसका कच्चा मकान है, जो कभी भी बारिश में गिर सकता है। महिला ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। विधायक ने बीडीपीओ को महिला की पात्रता को देखते हुए आवास योजना का आवेदन कराने के निर्देश दिए।

शिविर में परिवार पहचान पत्र, राजस्व विभाग, पक्की गलियां व चौपाल बनवाने से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। समाधान शिविर में डीएसपी विद्यानंद, तहसीलदार जितेंद्र कुमार, बीडीपीओ कविता, जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता अशोक यादव, आदि मौजूद रहे।

कोसली विधायक अनिल यादव ने की जनशिकायतों पर सुनवाई

बिजली-पानी से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान करें अधिकारी

समाधान शिविर में गांव सैदपुर चांग और बोहतवास की पंचायत ने विधायक के समक्ष पानी की समस्या को रखा।

रेवाड़ी। समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनते विधायक। फोटो :हरिभूमि

ग्लोबल सप्लाई में पीएमएफएमई की अहम भूमिका : डीसी

रेवाड़ी। केंद्र सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की ओर से चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए एक बड़ा कदम है।

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का उद्देश्य सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत एफपीओ, एसएचजी, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों और सहकारी समितियां को लाभ पहुंचाया जा सकता है।

इस योजना के तहत सरकार द्वारा फूड प्रोसेसिंग और अन्य सामान्य सुविधाओं जैसे सोर्टिंग-ग्रेडिंग, वेयरहाउस, फार्म-गेट-कोल्डस्टोर्स, खाद्य उत्पादों के लिए सामान्य प्रसंस्करण सुविधाओं के लिए 35 प्रतिशत तक सब्सिडी व 3 करोड़ रुपए तक का ऋण मुहैया कराया जा रहा है।

अच्छी कमाई के लिए रोबोटिक इंजीनियरिंग में बनाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

रोबोटिक इंजीनियरिंग एक ऐसा कोर्स है जिसकी मौजूदा समय में काफी डिमांड बढ़ गई है। यह ऐसा कोर्स है, जिसको करने के बाद स्टूडेंट्स के लिए जॉब के काफी अवसर बढ़ जाते हैं, अच्छी बात यह है कि ये कोर्स आप देश और विदेश दोनों जगह से कर सकते हैं। इसमें खर्च भी बहुत अधिक नहीं आता है। जॉब और मुनाफे के लिहाज से भी इस कोर्स की काफी अहमियत है। आने वाला समय रोबोट का ही है। ऐसे में इस फील्ड में नौकरी के बहुत अच्छे अवसर मिलेंगे। ऐसे में इस खबर के जरिए हम आपको बताएंगे कि आखिर इस कोर्स को करने के लिए आपके पास क्या योग्यता होनी चाहिए और आप इसमें कैसे करियर बना सकते हैं।

क्या है रोबोटिक इंजीनियरिंग

यह एक तरह का ऑटोमेटिक मैकेनिकल डिवाइस है, जो कंप्यूटर प्रोग्रामिंग या मशीनी प्रोग्रामिंग भाषा की सहायता से काम करता है। इस सिस्टम में सेंसर, कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई और सॉफ्टवेयर जैसी चीजें एक साथ वर्क करती हैं। अगर हम रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की बात करें तो यह कई ब्रांचों से मिलकर बनी है। इसमें कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर और मैकेनिकल इंजीनियर मिलकर रोबोट के डिजाइन , कंस्ट्रक्शन , पावर सप्लाई , इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग और सॉफ्टवेयर पर काम करता है।

जरूरी योग्यता क्या हैं

रोबोटिक्स के क्षेत्र में अगर आप अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं क्लास साइंस स्ट्रीम से करना होगा। इसके बाद आप मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल , बीई या कंप्यूटर साइंस जैसे कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। वहीं, बैचलर की डिग्री पूरी करने के बाद आप रोबोटिक्स में मास्टर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस क्षेत्र में अच्छा करियर बनाने के लिए आपको इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और कंप्यूटर साइंस में जुड़ी अच्छी जानकारी होनी चाहिए। रोबोटिक कोर्स एक तरह से लॉन्गटर्म रिसर्च ओरिएंटिड कोर्स है। आप इस क्षेत्र से जुड़े कुछ शार्ट टर्म्स कोर्सेज जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स , एडवांस रोबोटिक्स सिस्टम भी करके अपना करियर बना सकते हैं।

आखिर क्यों खास है यह कोर्स

रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन इंजीनियरिंग करने के बाद आपके पास अनगिनत जॉब के मौके होते हैं। ये कोर्स करने के बाद आप रोबोट के रिसर्च एंड डेवलपमेंट, रोबोट मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग, क्वालिटी कंट्रोल के सेक्टर में कार्य कर सकते हैं। यहां पर आप रोबॉटिक्स इंजीनियर, रोबॉटिक्स साइंटिस्ट, टेक्नीशियन के तौर पर जॉब कर सकते हैं। वहीं रोबोटिक्स में मास्टर डिग्री करने वाले छात्र इसरो और नासा जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में जा सकते हैं। इस फील्ड के उम्मीदवारों को नासा के अलावा अन्य बहुत से प्राइवेट इंडस्ट्रीज, ऑटोमोबाइल्स और इंडस्ट्रीयल टूल्स में जॉब के अवसर मिलते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो सेफ्टी रोबोटिक्स जैसे कि मिलिट्री या बम्ब निष्क्रिय करने वाले रोबोटिक्स के सेक्टर में भी करियर बना सकते हैं। इन जगहों पर आपको रोबोटिक्स प्रोग्रामर, रोबोटिक्स डिजाइन इंजीनियर, रोबोटिक्स सिस्टम इंजीनियर, रोबोट टेस्ट इंजीनियर, ऑटोमेटेड प्रोडक्ट डिजाइन इंजीनियर जैसे जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य करना होगा।

यहां-यहां कर सकते हैं कोर्स

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग आप इंडिया में भी कर सकते हैं, क्योंकि यह कोर्स आईआईटी हैदराबाद, कानपुर, मुंबई, दिल्ली, गुवाहाटी, मद्रास, रूडकी सहित विदेश से भी कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले यह स्टडी करें कि किस यूनिवर्सिटी से कोर्स करना चाहते हैं। वहां पाठ्यक्रम विवरण, निवास के लिए आवश्यक शर्तें और रोजगार परमिट, ट्यूशन खर्च और अन्य जानकारी सहित सभी प्रासंगिक जानकारी की जांच अवश्य कर लें।

कॉलेज	शहर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	कानपुर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	हैदराबाद
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	रुड़की
एमिटी यूनिवर्सिटी	गुरुग्राम
मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	मणिपाल
चिल्ड्रन्स यूनिवर्सिटी	वडोदरा
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	हैदराबाद
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी	दिल्ली
एनआईई मैसूर	मैसूर
पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	कोयंबटूर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इन्फॉर्मेशन	इलाहाबाद

जर्मनी से कर सकते हैं कम खर्च में डिग्री

जर्मनी में विश्वविद्यालय रोबोटिक्स में मास्टर डिग्री प्राप्त करने के इच्छुक भारतीय छात्रों सहित अंतरराष्ट्रीय छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। जर्मनी में, कई विश्वविद्यालय रोबोटिक्स कायक्रम में मास्टर्स डिग्री एमएस के लिए अच्छे अवसर हैं। रोबोटिक्स प्रोग्राम में जर्मन मास्टर का कोर्स दो साल तक चलता है और 5,000 से 20,000 यूरो के बीच खर्च होता है। यहां कोर्स करने के बाद छात्रों के लिए कॅरियर के अच्छे अवसर हैं।

यहां मिलेंगे ये जॉब करने के अच्छे अवसर

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग करने के बाद आपके लिए जॉब के कई अवसर खुल जाते हैं, आप सेफ्टी रोबोटिक्स में जैसे मिलिट्री या बम निष्क्रिय करने वाले सेक्टर में करियर बनाने के साथ ही रोबोटिक्स प्रोग्रामर, रोबोटिक्स डिजाइन इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स सिस्टम इंजीनियर, रोबोट टेस्ट इंजीनियर, ऑटोमेटेड प्रोडक्ट डिजाइन इंजीनियर जैसे जॉब प्रोफाइल में रहकर काम करना होगा। रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन इंजीनियरिंग करने के बाद आपके पास जॉब के कई विकल्प होते हैं। यही कारण है कि अब रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की डिमांड बढ़ती जा रही है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग एक हाई सैलरी प्रोफेशन है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के बाद आपके पैकेज की शुरुआत प्रति वर्ष 10 लाख रुपये से 20 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच होती है, जो आपके अनुभव के अनुसार बढ़ती रहती है।

तकनीकी उपकरणों से बातचीत के तरीकों में बढ़ाएं रुचि

वॉइस यूज़र इंटरफेस डिजाइनर ; शानदार करियर विकल्प, रचनात्मकता और तकनीकी ज्ञान का मेल

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

यदि आप भी तकनीकी उपकरणों से बातचीत के नए तरीकों में रुचि रखते हैं और यह मानते हैं कि भविष्य में लोग स्क्रीन की बजाय अपनी आवाज़ से उपकरणों को संचालित करेंगे, तो वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर बनना एक शानदार करियर विकल्प हो सकता है। यह पेशा रचनात्मकता, भाषा और तकनीकी ज्ञान का मेल है, जो डिजिटल दुनिया को और अधिक मानवीय तथा सहज बनाता है। एक वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर का मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता किसी मशीन या सॉफ़्टवेयर से स्वाभाविक और प्रभावी संवाद कर सके। वे यह तय करते हैं कि उपयोगकर्ता क्या बोलेंगे, प्रणाली कैसे समझेगी, और उसे कैसे उत्तर देना चाहिए। इसके लिए उन्हें उपयोगकर्ता अनुभव (यूएक्स), भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

डिजिटल दुनिया को सहज बनाने में सक्षम

प्रमुख कार्य क्षेत्र

- **मार्ट स्पीकर और डिजिटल सहायक** : जैसे अमेज़न एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट
- **स्वचालित वाहन प्रणालियां** : आवाज़ द्वारा कार को नियंत्रित करना
- **स्वास्थ्य सेवाएं** : रोगियों से वॉइस नोट लेना, दवा रिमाइंडर
- **ग्राहक सेवा केंद्र** : आवाज़ आधारित उत्तरदाता प्रणाली
- **शिक्षा और विशेष आवश्यकता वाले उपयोगकर्ता** : दृष्टिहीन या अशक्तजनों के लिए वॉइस टूल्स

रोज़गार के अवसर

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हेल्थकेयर, ऑटोमोबाइल, एजुकेशन, बैंकिंग, कस्टमर सर्विस और एंटरटेनमेंट जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से फैल रहा है। जैसे-जैसे लोग वॉइस असिस्टेंट्स और स्मार्ट डिवाइसेज़ के ज़रिए तकनीक से जुड़ने लगे हैं, वैसे-वैसे इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ती जा रही है। एक वॉइस यूआई डिज़ाइनर न केवल टेक्नोलॉजी कंपनियों में नौकरी कर सकता है, बल्कि स्वतंत्र कंसल्टेंट, स्टार्टअप संस्थापक या शोधकर्ता के रूप में भी अपनी भूमिका निभा सकता है। इस क्षेत्र में अनुभव के साथ आप प्रोडक्ट लीड, यूएक्स डायरेक्टर या एआई डिज़ाइन स्ट्रैटेजिस्ट जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं तक पहुँच सकते हैं।

तेजी से उभरता हुआ करियर

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन एक तेज़ी से उभरता हुआ और भविष्य-केन्द्रित क्षेत्र है, जिसमें संवाद, भाषा और तकनीकी समझ का अद्भुत मिश्रण होता है। यदि आप मानवीय अनुभव को तकनीकी दुनिया से जोड़ने में रुचि रखते हैं, तो यह करियर आपके लिए एक उपयुक्त विकल्प हो सकता है।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.career-jaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

शिक्षा और योग्यता

भाषा विज्ञान के संगम पर आधारित

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन एक ऐसा क्षेत्र है जो तकनीक, डिज़ाइन और भाषा विज्ञान के संगम पर आधारित है। इस क्षेत्र में सफल करियर के लिए केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि मानव व्यवहार, संवाद शैली और डिज़ाइन सोच की भी अच्छी समझ होना ज़रूरी है। इसलिए यह अनुशंसा की जाती है कि विद्यार्थी बहु-विषयक पढ़ाई करें, जिसमें कंप्यूटर विज्ञान, मानव-कंप्यूटर इंटरफ़ेस, भाषाविज्ञान, और डिज़ाइन जैसे विषय शामिल हों। आज कई अग्रणी संस्थान इन विषयों में विशेष पाठ्यक्रम (कोर्स) प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को इस क्षेत्र की ठोस नींव मिल सके। वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन में करियर बनाने के लिए आप नीचे दिए गए विषयों में पढ़ाई कर सकते हैं।

यह पढ़ाई करें

- उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइन (यूएक्स डिज़ाइन)
- कंप्यूटर विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)
- भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान
- संचार एवं मीडिया अध्ययन
- सांख्यिकी एवं डेटा विश्लेषण

यहां मिलेगी सफलता

कम्युनिकेशन डिज़ाइन : प्रभावी वाक्य संरचना और प्रतिक्रिया योजना

उपयोगकर्ता व्यवहार की समझ : बातचीत करने के तरीके समझना

स्वर विश्लेषण और भाषाई प्रसंस्करण (स्पीच प्रोसेसिंग एवं एनएलपी)

डिज़ाइन उपकरणों का उपयोग जैसे वौइस् फ्लो, फिगमा, डायलॉगफ्लो

डेटा विश्लेषण एवं उपयोगकर्ता परीक्षण

प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और पाठ्यक्रम

सरकारी संस्थान

1. **भारतीय** प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे
पाठ्यक्रम: ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शन और डिजाइन में स्नातकोत्तर
2. **भारतीय** सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनएलपी और मशीन लर्निंग में एम.टेक
3. **भारतीय** विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु
पाठ्यक्रम: कंप्यूटर साइंस एंड नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में अनुसंधान कार्यक्रम
4. **जवाहरलाल** नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली
पाठ्यक्रम: लैंग्वेज इंटरफ़ेस में एम.ए./एम.फिल
5. **भारतीय** जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली
पाठ्यक्रम: डिजिटल मीडिया और कम्युनिकेशन डिजाइन में

निजी संस्थान

1. **पर्ल अकादमी,** नई दिल्ली/मुंबई
पाठ्यक्रम: डिजिटल इंटरफ़ेस डिजाइन में स्नातक कार्यक्रम
2. **एमिटी** विश्वविद्यालय, नोएडा
पाठ्यक्रम: यूजर इंटरफेस एवं डिजाइन में बी.डिजाइन
3. **मणिपाल** प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक
पाठ्यक्रम: कंप्यूटर विज्ञान और आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस में बी.टेक
4. **सिम्बायोसिस** इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
पाठ्यक्रम: वौइस् और इंटरफ़ेस डिजाइन में स्नातक कोर्स
5. **अपग्रेड** (ऑनलाइन), गूगल प्रमाणन के साथ
पाठ्यक्रम: वौइस् बेस्ड इंटरफ़ेस डिजाइन और यूजर एक्सपीरियंस में सर्टिफिकेट कोर्स

आवश्यक कौशल

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर बनने के लिए तकनीकी दक्षता के साथ-साथ संवाद कौशल, रचनात्मकता और उपयोगकर्ता की सोच को समझने की क्षमता भी आवश्यक होती है। इस पेशे में आपको मशीन को इंसानों की तरह सोचने और बोलनेश्र लायक बनाना होता है, इसलिए संवाद संरचना, उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइन, और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों की जानकारी अनिवार्य है। इसके अलावा, अलग-अलग उपकरणों और सॉफ़्टवेयर का प्रयोग, उपयोगकर्ता परीक्षण, और बहुभाषी इंटरफ़ेस डिज़ाइन करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता दिला सकती है।

योग्यता

तकनीकी कंपनियां : गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, टाटा एलेक्सी

ऑटोमोबाइल कंपनियां : टेस्ला, महिंद्रा, टाटा मोटर्स

स्वास्थ्य सेवाएं : एआई हेल्थ स्टार्टअप्स जैसे 1 एमजी, पोर्टिया

डिज़ाइन एजेंसियां : टीसीएस इंटरएक्टिव, ओगिल्वी डिज़ाइन

फ्रीलांस कार्य : प्रोजेक्ट आधारित स्वतंत्र काम और परामर्शदाता सेवाएं

वेतन और संभावनाएं

भारत में भी डिजिटलीकरण और बहुभाषी वॉइस असिस्टेंट्स की आवश्यकता को देखते हुए यह क्षेत्र भविष्य में अपार संभावनाएं प्रदान करता है। यदि आप तकनीकी विशेषज्ञता के साथ-साथ रचनात्मक और भाषाई सोच रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोल सकता है। एक वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर के लिए निम्न प्रकार के वेतन एवं अवसर होते है।

- **प्रारंभिक वेतन:** 40,000 से 80,000 रुपये प्रतिमाह
- **मध्यम अनुभव (5 वर्षों तक):** 1,00,000 से 2,50,000 रुपये प्रतिमाह
- **वरिष्ठ स्तर:** 25 लाख से 40 लाख रुपये वार्षिक (कंपनियों और अनुभव पर निर्भर)
- **फ्रीलांसर:** प्रति प्रोजेक्ट 1 लाख से 5 लाख रुपये तक या 1,000 से 5,000 रुपये प्रति घंटा

प्रेरणा का आधार बाहरी सामाजिक अपेक्षाओं में नहीं, बल्कि आत्म-जागरूकता में निहित

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज की तेज़-रफ़्तार दुनिया में विद्यार्थियों के सामने न केवल शैक्षिक चुनौतियां हैं, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। प्रेरणा, जो कभी केवल "कड़ी मेहनत" और "लक्ष्य प्राप्ति" के इर्द-गिर्द घूमती थी, अब एक गहरे और समग्र दृष्टिकोण की मांग करती है। यह लेख विद्यार्थी प्रेरणा को एक नए, अनोखे नजरिए से देखता है, जो परंपरागत तरीकों से हटकर है और आत्म-खोज, रचनात्मकता, और आंतरिक शक्ति पर केंद्रित है। प्रेरणा का आधार बाहरी पुरस्कारों या सामाजिक अपेक्षाओं में नहीं, बल्कि आत्म-जागरूकता में निहित है। विद्यार्थियों को यह समझने की जरूरत है कि वे कौन हैं, उनकी रुचियां क्या हैं, और वे क्या हासिल करना चाहते हैं। यह प्रक्रिया एक डायरी लिखने, ध्यान करने, या अपने शौक को समय देने जैसी छोटी-छोटी गतिविधियों से शुरू हो सकती है।

रुचियां और पढ़ाई हो सकते हैं एक-दूसरे के पूरक

उदाहरण के लिए, अगर कोई विद्यार्थी संगीत में रुचि रखता है, तो उसे गणित को संगीत की लय से जोड़कर समझाया जा सकता है। यह न केवल विषय को रोचक बनाता है, बल्कि विद्यार्थी को यह एहसास भी दिलाता है कि उसकी रुचियाँ और पढ़ाई एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

असफलता को गले लगाना : हमारे समाज में असफलता को अक्सर नकारात्मक रूप में देखा जाता है, लेकिन इसे प्रेरणा का एक शक्तिशाली स्रोत बनाया जा सकता है। विद्यार्थियों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। इसके लिए शिक्षकों और अभिभावकों को "ग्रोथ माइंडसेट" को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों को विश्वास दिलाता है कि मेहनत और अभ्यास से वे बेहतर हो सकते हैं।

एक मजेदार गतिविधि हो सकती है: विद्यार्थियों से उनकी "सबसे बड़ी असफलता" की कहानी लिखने को कहें और फिर उससे क्या सीखा, यह साझा करने को कहें। यह न केवल उन्हें आत्म-विश्लेषण करने में मदद करता है, बल्कि उनके अंदर यह विश्वास भी जगाता है कि हर चुनौती एक अवसर है।

रचनात्मकता को प्रेरणा का ईंधन बनाना: पारंपरिक प्रेरणा तकनीकें जैसे टाइम-टेबल बनाना या इनाम की उम्मीद करना अब पुरानी पड़ चुकी हैं। आज के विद्यार्थी रचनात्मकता से प्रेरित होते हैं।

समुदाय और सहयोग की शक्ति

प्रेरणा केवल व्यक्तिगत नहीं होती; यह सामूहिक भी हो सकती है। जब विद्यार्थी एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं, तो वे न केवल नई चीजें सीखते हैं, बल्कि एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। समूह प्रोजेक्ट्स, पीयर-टू-पीयर शिक्षण, या क्लब गतिविधियाँ विद्यार्थियों में यह भावना जगाती हैं कि वे अकेले नहीं हैं। स्कूलों में "प्रेरणा सर्कल" बनाए जा सकते हैं, जहाँ विद्यार्थी सप्ताह में एक बार इकट्ठा होकर अपनी उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ, और सपने साझा करें। यह न केवल उन्हें भावनात्मक समर्थन देता है, बल्कि एक सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल भी बनाता है।

प्रेरणा का रखरखाव: छोटे कदम, बड़े सपने प्रेरणा को बनाए रखने के लिए बड़े लक्ष्यों को छोटे-छोटे कदमों में तोड़ना जरूरी है। विद्यार्थियों को यह सिखाना चाहिए कि हर छोटी उपलब्धि मायने रखती है। उदाहरण के लिए, अगर कोई विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा है, तो उसे हर अध्याय पूरा करने के बाद खुद को बधाई देने के लिए प्रोत्साहित करें। यह छोटी जीतें आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और लंबे समय तक प्रेरणा बनाए रखती हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को यह भी याद दिलाना चाहिए कि प्रेरणा का मतलब हर समय उत्साहित रहना नहीं है। कुछ दिन आलस भरे हो सकते हैं, और यह ठीक है। ऐसे समय में खुद के साथ दयालु होना और धीरे-धीरे वापस लय में आना महत्वपूर्ण है।

सामान्य ज्ञान

1. किस हिमालय चोटी को सागरमाथा कहते हैं ?
(ए) नंगा पर्वत
(बी) धौलागिरि
(सी) माउंट एवरेस्ट
(डी) कंचनजंघा

2. एडमंड हिलेरी तथा तेनजिंग नोर्गे द्वारा विश्व की सर्वोच्च पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सबसे पहले किस वर्ष विजय प्राप्त की गई ?
(ए) 1898 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1957 ई. में
(डी) 1969 ई. में

3. नंदा देवी चोटी है -
(ए) असम हिमालय का भाग
(बी) कुमायूं हिमालय का भाग
(सी) नेपाल हिमालय का भाग
(डी) पंजाब हिमालय का भाग

4. हिमालय पर्वत की एक श्रेणी अराकानयोमा कहाँ स्थित है ?
(ए) बलूचिस्तान
(बी) म्यांमार
(सी) नेपाल
(डी) थाईलैंड

5. जम्मू-कश्मीर में स्थित निम्नलिखित पर्वत श्रेणियों का पूर्व से पश्चिम की और क्रम होगा 1. जास्कर श्रेणी 2. पीरपंजाल श्रेणी 3. काराकोरम श्रेणी 4. लद्दाख श्रेणी
(ए) 4,3,1,2
(बी) 2,1,3,4
(सी) 3,4,1,2
(डी) 1,2,3,4

6. भारत की सर्वोच्च पर्वत श्रेणी कौन - सी है ?
(ए) गॉडविन ऑस्टिन
(बी) कंचनजंघा
(सी) नंदा देवी
(डी) एवरेस्ट

7. कुल्लू घाटी निम्नलिखित पर्वत श्रेणियों के बीच अवस्थित है -
(ए) धौलाधार तथा पीरपंजाल
(बी) रणज्योति तथा नागटिब्बा
(सी) लद्दाख तथा पीरपंजाल
(डी) मध्य हिमालय तथा शिवालिक

8. उत्तराखंड का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है -
(ए) बद्रीनाथ
(बी) केदारनाथ
(सी) कामेत
(डी) नंदादेवी

उत्तर 1.(सी) 2.(बी) 3.(बी) 4.(बी) 5.(सी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

नारनौल। श्रमिकों को प्रसाद वितरित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सामाजिक सरोकारों के प्रबल पैरोकार थे स्व. कांतिलाल

नारनौल। भारत विकास परिषद शाखा नारनौल के संस्थापक स्वर्गीय कांतिलाल सैनी की पुण्यतिथि पर आनंद रसोई के अंतर्गत परशुराम चौक पर लगभग 350 श्रमिकों के लिए भोजन की व्यस्था की गई। संयोजक डॉ संजय शर्मा एवम शाखा सचिव मुकेश जैन ने बताया कि स्व. कांतिलाल सैनी की धर्मपत्नी शारदा देवी, पुत्र विशाल सैनी और विवेक सैनी ने आज लेबर चौक पर उपस्थित लोगों के लिए भोजन व्यवस्था की। परिजनों ने अपने हाथों से श्रमिक भाई बहनों को भोजन करवाया।कांतिलाल सैनी सामाजिक सरोकारों के प्रबल पैरोकार थे। उन्होंने कहा कि स्व. कांतिलाल सैनी का जीवन मानव सेवा और समाज सेवा को समर्पित रहा था। उनकी पुण्य तिथि पर आनंद रसोई जैसे आयोजन ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

सत्संग व बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। मातृशक्ति हरियाणा सेवा प्रमुख डा. कृष्णा आर्या की देखरेख में सेक्टर में चल रहे बाल संस्कार केंद्र में साप्ताहिक सत्संग व बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाएं, बच्चों व बुजुर्गों ने भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ विश्व हिंदू परिषद की आचार पद्धति अनुसार दीप प्रज्ज्वल मन्त्र, ओंकार मन्त्र, विजय महामंत्र, एकात्मकता मन्त्र से किया गया। वहीं बौद्धिक सत्र में डा. कृष्णा आर्या व प्रो. परमानन्द दीवान ने वीर प्रसूता सीता माता के जीवन चरित्र से जुड़े विविध विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कृष्णा आर्या ने सीता के जीवन को पंच तत्वों से जोड़ते हुए कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वाभिमान, स्वावलम्बन, महिला शिक्षा व उत्थान से सम्बंधित प्रसंगों की सुन्दर व्याख्यान दिया।

मकान के ताले तोड़कर बुजुर्ग की नकदी चोरी

कुंड। मायन गांव में चोर एक बंद मकान के ताले तोड़कर बुजुर्ग की नकदी चोरी कर ले गए। थाना खोल पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस शिकायत में 95 वर्षीय ओमप्रकाश ने बताया कि वह 14 अप्रैल को अपने दिल्ली मकान में गया था। जब वह दिल्ली से वापस गांव आया तो उसके मकान के कमरों के ताले टूटे हुए थे।

प्रशासन ने नीट को सुचारू और निष्पक्ष करवाने के किए पुख्ता प्रबंध

कल 8 केंद्रों पर 3392 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

सुबह 11 से दोपहर डेढ़ बजे तक होगी एंट्री

- नीट परीक्षा के लिए डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक
- परीक्षा के सुचारू व निष्पक्ष संचालन के लिए प्रशासन ने किए पुख्ता प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डा. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

जिला महेंद्रगढ़ में आगामी चार मई को होने वाली नीट ययूजी परीक्षा का सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में ड्यूटी मजिस्ट्रेट, नोडल ऑफिसर, केंद्र अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। एसपी पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थीं। डीसी ने बताया कि मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) प्रवेश परीक्षा के लिए जिले में कुल आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर 3392 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर दो से पांच बजे तक है। केंद्र पर 11 बजे परीक्षार्थियों की एंट्री शुरू हो जाएगी। डेढ़ बजे के बाद कोई एंट्री नहीं होगी।

सेंटर में ले जा सकेंगे केवल पानी की पारदर्शी बोतल

उपायुक्त ने बताया कि नीट की परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी अपने आई कार्ड के अलावा कोई भी सामान अंदर नहीं ले जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कोई भी स्टेशनरी आइटम जैसे पाठ्य सामग्री (मुद्रित या लिखित), कागज के टुकड़े, ज्यामिति, पेन, पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेजरए, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन, स्कैनर आदि सभी पर परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने पर पाबंदी रहेगी। कोई भी संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर, हेल्थ बैंड अन्य आइटम जैसे वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, बेल्ट, कैप, घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, कोई भी आभूषण, धातु आइटम, कोई भी खुला या पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ आदि पर पाबंदी रहेगी। परीक्षार्थी अपने साथ पानी की केवल पारदर्शी बोतल ले जा सकते हैं। अनुचित साधन का प्रयोग के लिए किया जा सकता है जैसे कि माइक्रोचिप, कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस आदि जैसे संचार उपकरण को परीक्षा केंद्र में ले जाने पर पाबंदी रहेगी। उम्मीदवार अपने किसी भी आइटम जैसे बैग, बैगेज, पैसे आदि केंद्र पर लेकर न आएं यदि किसी के पास केंद्र के अंदर प्रतिबंधित वस्तुओं में से कोई भी वस्तु पाई जाती है तो कार्रवाई होगी।

ऐसे होगी एंट्री

परीक्षा केंद्र में बिना आई कार्ड केंद्र पर किसी की एंट्री नहीं होगी। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा, महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल कुमार यादव, एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, परीक्षा के जिला के नोडल ऑफिसर ओमप्रकाश यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नीट को लेकर एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, सतर्कता से ड्यूटी करने के दिए निर्देश

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने शुक्रवार को आगामी नीट परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर पर्यवेक्षण अधिकारियों व परीक्षा केंद्रों पर तैनात इंचार्जों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। इसको लेकर उन्होंने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा केंद्रों के अंदर केवल ड्यूटी पर तैनात स्टाफ व परीक्षार्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। किसी भी अन्य व्यक्ति को केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली जाएगी। जिसके लिए एचएचएमडी, डीएफएमडी व फ्रिस्किंग टीम को तैनात किया गया। पुलिस कर्मियों को वाकी टाकी से लैस किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की सूचना को तुरंत अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रबंधकों को अपने अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

महेंद्रगढ़। विजेता को सम्मानित करते विद्यालय प्राचार्य राम मोहन वशिष्ठ।

बीआर स्कूल में सामान्य विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक रोचक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लियाझ्रअचीवर्स, टॉपर्स, चेसर्स और वंडरर्स। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ के प्रेरणादायक भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि एक छात्र को कक्षा से मंच तक लाना एक बड़ी चुनौती होती है। इसके लिए शिक्षक, माता-पिता और सहपाठियों की सामूहिक और कोशिशें जरूरी होती हैं। जब कोई बच्चा झिझक की सीमाओं को तोड़कर मंच पर आता है, तो वह हमारी सामूहिक मेहनत का परिणाम होता है। प्रतियोगिता में कई रोचक राउंड शामिल किए गए थे जैसे रैपिड फायर राउंड, वीडियो राउंड, चित्र आधारित राउंड आदि। इन राउंड्स के माध्यम से छात्रों की छिपी प्रतिभा को पहचानने का प्रयास किया गया। प्रतिस्पर्धा में मानसी, जयेश, पीयूष और कंचन की चेसर्स टीम ने बेहद कम अंकों के अंतर से जीत हासिल की। उपप्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता का उद्देश्य सभी छात्रों को समान अवसर देना और उनमें जीवन कौशल विकसित करना है।

नारनौल। श्रीकृष्णा स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

श्रीकृष्ण स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, छात्र सम्मानित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान आईआईटी, जेईई में सफलता पाने वाले छात्र भविष्य पुत्र सरजीत, मानव पुत्र गंगाराम, दीपांशु पुत्र भूपसिंह व छात्रा रितु पुत्री जगजीत को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही एनडीए परीक्षा परिणाम उत्तीर्ण करने पर साहिल पुत्र सत्यापाल को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबांधित करते हुए स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने कहा कि शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। ऐसे सम्मान से छात्रों में प्रति स्पर्धा बढ़ती है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है, इसलिए नई प्रतिभाओं को दिशानिर्देश देने के साथ संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना अवश्यक है। सीईओ अविनाश यादव ने आगन्तुक सफल

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एसओएफ साइंस ओलंपियाड में छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, किया सम्मान

महेंद्रगढ़। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) द्वारा आयोजित साइंस ओलंपियाड में यदुवंशी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार अपने नाम किए। विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता छात्रों की वैज्ञानिक सोच तर्कशक्ति और समस्या-समाधान क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण, रजत और कास्य पदक व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उनकी मेहनत, लगन और समर्पण वास्तव में सराहनीय है। आप सभी विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इस मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने भी सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिजली उपभोक्ताओं ने धरना देकर रोष प्रकट किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मंडी अटेली

बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा सम्बंधित आल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन के ब्लाक सिहमा की ओर से बिजली उपमंडल अधिकारी कार्यालय के सामने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर बिजली उपमंडल कार्यालय के समक्ष धरना देकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन उपरांत जेई अशोक कुमार को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के जिला संयोजक छाजूराम रावत ने कहा कि बिजली एक जन सेवा है। बिजली जैसी आवश्यक सेवा, जिसके बिना जीवन की

मंडी अटेली। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा एसोसिएशन ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

कल्पना भी नहीं की जा सकती। बिजली जैसी इसआवश्यक सेवा को मुनाफा की वस्तु नहीं बनाया जा सकता। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के सिहमा संयोजक मास्टर बलवंत सिंह ने कहा कि बिजली उपमंडल अधिकारी सिहमा द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के बिलों में पिछले वर्ष का कुल विद्युत खर्च जोड़कर इसका एक तिहाई बिल की राशि आगामी वित्तीय वर्ष के विद्युत बिलों में जोड़कर यह राशि सिक्योरिटी प्रतिभूति के नाम से वसूली जा रही है। इस जबरन वसूली से बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक भार से परेशानी में हैं। उन्होंने कहा कि मीटर रीडिंग भी नियमित रूप से नहीं की जाती, जिससे बिजली उपभोक्ताओं पर कई महीनों की राशि इकट्ठी का भार एकसाथ पड़ता है।

स्लम एरिया टैलेंट टीम ने रखें पानी के सकोरे

नारनौल। स्लम एरिया टैलेंट टीम ने पंछियों के लिए अपने निर्धारित लक्ष्य 500 पानी के सकोरे रखने अनुसार नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में शुक्रवार को जूडो के बच्चों के साथ मिलकर पानी के सकोरे लगाए व बच्चों ने मिलकर इन सकोरे को रोजाना पानी से भरने का वादा किया। कोच विवेक ने बताया कि बच्चें निरन्तर सुभाष स्टेडियम में तैयारी करते है। स्लम एरिया टैलेंट टीम ने जब बताया कि यहां पानी के सकोरे लगाने है, तो बच्चों ने उनके इस लक्ष्य में साथ देने का विश्वास दिलाया। कोच विवेक ने बताया कि स्लम एरिया टैलेंट की टीम पंछियों के लिए पानी के सकोरे रखकर पुण्य का कार्य कर रही है। स्लम एरिया टैलेंट से अतर सिंह ने बताया कि अभी तक 100 पानी के सकोरे लगा चुके है और हर दिन अलग जगह पानी के सकोरे रखकर निर्धारित लक्ष्य को पूरा करेंगे।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में पर्सनालिटी डेवलपमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता को सशक्त बनाना था। इस सफल आयोजन की संयोजन भूमिका अध्यापक विनय कुमार ने

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में उपस्थित विद्यार्थी।

निभाई। छात्रों ने संचार कौशल कार्यशाला, नेतृत्व और टीम वर्क अभ्यास, पोस्टर प्रेजेंटेशन, मंच संचालन और समस्या समाधान गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों ने अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचाना और प्रस्तुत करने का अवसर पाया। प्रधानाचार्य रामवीर यादव ने कहा कि व्यक्तित्व विकास आज की शिक्षा प्रणाली का एक अहम हिस्सा है। छात्रों का आत्मविश्वासी और संतुलित व्यक्तित्व ही उन्हें भविष्य की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने योग्य बनाता है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए अध्यापक विनय कुमार आदि मौजूद रहे।

गर्मी में प्रदेश में नहरी पानी की कमी होने से सक्रिय हुआ जनस्वास्थ्य विभाग

जल संकट रोकने में सहयोग करें उपभोक्ता, एक भी नल न छोड़ें खुला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

नारनौल। ग्राम जल एवं सीवरेज समिति सदस्यों को जल संरक्षण की जानकारी देती टीम व ग्रामीणों के समक्ष पेयजल की क्लोरिन जांच करते बीआरसी धर्मेंद्र कुमार।

बढ़ती गर्मी और बढ़ती पेयजल की मांग को ध्यान में रखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के वास्सो के जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने उपभोक्ताओं से आह्वान किया है कि वे पेयजल की बर्बादी को रोकने में अपने अपने घरों से शुरूआत करें। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि जिस तरीके से पानी को लेकर पिछले कुछ दिनों से पंजाब व हरियाणा का विवाद चल रहा है। प्रदेश में नहर कम पानी सप्लाई होने पर मांग के अनुसार कम पानी मिल रहा है। नहरी पानी कम मिलने की वजह से जल संकट भी गहरा सकता है। जल संकट न हो इसके लिए शासन व प्रशासन एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। मंत्री रणबीर गंगवा ने भी पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए आदेश दिए हैं कि पेयजल की कहीं भी बर्बादी न हो। अवैध कनेक्शनों व लीकेज तुरंत रोकने के लिए भी कहा है। इसके बावजूद अब गांव की सरकारें ग्राम पंचायतें, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति व उपभोक्ताओं की भूमिका भी इस गर्मी के मौसम में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। ग्राम पंचायतों से आग्रह है कि वे सुनिश्चित करें कि इस गर्मी के मौसम मई व जून के माह में जितना पानी ग्राम पंचायत को उपलब्ध हो रहा है व प्रत्येक घर को समान रूप से सप्लाई हो, ताकि हर घर को जल मिल सके। इसके अलावा अवैध रूप से चल रहे कनेक्शनों को रोकने का काम करें। उपभोक्ताओं से भी अपील करें कि वे अपने पेयजल कनेक्शनों के नलों पर टूंटी सुनिश्चित करें, ताकि नल खुले में न बहें व पेयजल की बर्बादी भी ना हो। नहरी पानी कम उपलब्ध होने पर अब नलकूपों के पानी का दोहन भी बढ़ सकता है।

संगीता यादव की नेट जेआरएफ में 10वीं रैंक

महेंद्रगढ़। शिव कॉलोनी निवासी संगीता यादव ने नेट जेआरएफ में आल इंडिया 10वीं रैंक प्राप्त कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह सफलता फिजिक्स विषय में प्राप्त की है। संगीता के ससुर देशराज यादव हैफेड के डीएम पद से सेवानिवृत हो चुके हैं। उनके पति राहुल यादव जिम चलाते हैं। संगीता यादव अपना परीक्षा परिणाम देकर बहुत खुशी हुई। उसने आल इंडिया दसवीं रैंक प्राप्त की संगीता यादव ने बताया कि वह सफलता के प्रति आश्वासन थी। पति राहुल यादव एवं ससुराल जनों ने उसको हमेशा सपोर्ट किया। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने पति ससुराल, माता-पिता और गुरुजनों को देती हैं। ससुर देशराज यादव ने बताया की संगीता बहुत मेहनती है। वह घर के कामकाज के साथ पढ़ाई पर पूरा ध्यान देती है। उसने सच्ची लगन और मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

डा. दीपिका राणा ने किया नेट में क्वालीफाई

नारनौल। शहर के हुडा सेक्टर-एक निवासी डॉ. दीपिका राणा ने यूजीसी एवं सीएसआईआर के तत्वावधान में संयुक्त रूप से आयोजित दिसंबर 2024 की नेट परीक्षा (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) में केमिस्ट्री विषय में ऑल इंडिया लेवल पर 39वीं रैंक के साथ जेआरएफ नेट उत्तीर्ण किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. दीपिका राणा राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल के पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा की पुत्री हैं तथा बड़े भाई डॉ. दीपक राणा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा में एसिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. दीपिका राणा की इस विशेष उपलब्धि पर दादा रामफल राणा, पिता व पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा, माता रूपकिरण राणा, भाई डॉ. (प्रो) दीपक राणा, भाभी अर्चना राणा व अन्य परिजनों व सभी मित्रगणों ने विशेष बधाई दी व खुशी जाहिर की।

नांगल हरनाथ की सुदेश राव नेट में क्वालीफाई

महेंद्रगढ़। शहर के हुडा सेक्टर-एक निवासी डॉ. दीपिका राणा ने यूजीसी एवं सीएसआईआर के तत्वावधान में संयुक्त रूप से आयोजित दिसंबर 2024 की नेट परीक्षा (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) में केमिस्ट्री विषय में ऑल इंडिया लेवल पर 39वीं रैंक के साथ जेआरएफ नेट उत्तीर्ण किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. दीपिका राणा राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल के पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा की पुत्री हैं तथा बड़े भाई डॉ. दीपक राणा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा में एसिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. दीपिका राणा की इस विशेष उपलब्धि पर दादा रामफल राणा, पिता व पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा, माता रूपकिरण राणा, भाई डॉ. (प्रो) दीपक राणा, भाभी अर्चना राणा व अन्य परिजनों व सभी मित्रगणों ने विशेष बधाई दी व खुशी जाहिर की।

सपना ने नेट जेआरएफ में पाई 40वीं रैंक

महेंद्रगढ़। यदुवंशी डिग्री कॉलेज के लाइफ साइंस विभाग की छात्रा सपना पुत्री सुनील कुमार निवासी सेहलंग ने सीएसआईआर नेट जेआरएफ परीक्षा में आल इंडिया में 40वीं रैंक प्राप्त कर इतिहास रचा है। यह उपलब्धि न केवल यदुवंशी कॉलेज के लिए, बल्कि पूरे महेंद्रगढ़ जिले और हरियाणा प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। सपना के पिता सुनील कुमार ने बताया कि सपना ने स्नातकोत्तर की पढ़ाई यदुवंशी कॉलेज से की अपनी लगन जिज्ञासा और अध्यापन के प्रति समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की। संस्था चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि सपना ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि शिक्षा और लक्ष्य की प्रति समर्पण हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

हैप्पी के छात्र ध्रुव का पुनः एनडीए में चयन

महेंद्रगढ़। डुलाना रोड स्थित हैप्पी एवरग्रीन स्कूल के छात्र ध्रुव पुत्र पुरूषोतम दास निवासी सैनीपुरा मौहल्ला ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा-1 की परीक्षा पुनः उर्तीण की हैं। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने बताया कि ध्रुव हैप्पी स्कूल का पिछले आठ वर्षों से नियमित छात्र है, जिसने अपनी कठिन मेहनत व विद्यालय के संयुक्त प्रयास से एनडीए की परीक्षा पुनः उर्तीण की है। ध्रुव पढ़ाई में हमेशा ही मेहनती रहा है। नान मेडिकल विषय को लेकर 12वीं कक्षा की नियमित पढ़ाई कर रहा हैं। प्रबंधक निर्देशक मनीष अग्रवाल ने बताया कि ध्रुव ने दोबारा सफलता प्राप्त कर प्रदेश का नाम व अपने माता-पिता, अध्यापक का नाम रोशन किया हैं। मैनेजर चंचल अग्रवाल ने कहा कि ध्रुव पढ़ाई में शुरू से ही रूचि रखता है। चेयरमैन सुभाष चंद्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन कौशल्या अग्रवाल व को-आर्डिनेटर संजीव कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि संस्था प्रतिवर्ष शिक्षा के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में भी नित नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

महेंद्रगढ़। विजय चिहन बनाकर खुशी जाहिर करते हुए।

आरपीएस डिग्री कॉलेज के 17 विद्यार्थियों ने नेट जेआरएफ और गेट में रचा इतिहास

महेंद्रगढ़। सीएसआईआर व यूजीसी द्वारा नेट, जेआरएफ गेट का हाल ही में परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें अकेले आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना की 17 प्रतिभाओं ने नेट जेआरएफ व गेट में सफलता हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया हैं। कॉलेज पीजी हैड वाईपी सिंह ने बताया आरपीएस कॉलेज की बेहतरीन व सुनियोजित शिक्षा के परिणाम स्वरुप अलग-अलग विषयों में 17 प्रतिभाओं ने कॉलेज में पढ़कर इस देश की बड़ी परीक्षाओं में शुमार नेट जेआरएफ व गेट में सफलता हासिल की हैं। उन्होंने बताया फिजिक्स में संगीता पुत्री सत्यनारायण एआईआर 17वां रैंक, सरोज पुत्री रमेश एआईआर 83वां रैंक जेआरएफ, प्रवीन पुत्र भूप सिंह एआईआर 88वां रैंक, बुधराम पुत्र राजवीर नेट क्वालिफाईंग, मैथ्स में केशव पुत्र भरत कुमार 23वां रैंक, ऋषभ पुत्र रणधीर सोनी 55वां रैंक, मोहित पुत्र विरेंद्र 39वां रैंक, निशा पुत्री राजकुमार 61वां रैंक, लाईफ साईंस में सपना पुत्री घनश्याम शर्मा 136वां रैंक जूलॉजी, मनीषा पुत्री जयप्रकाश 203वां रैंक, सोनू पुत्र भगत सिंह नेट क्वालिफाईंग व रसायन विज्ञान में निकिता पुत्री रामनिवास 26वां रैंक प्राप्त किया। इस प्रकार 17 विद्यार्थियों ने अकेले आरपीएस डिग्री कॉलेज से नेट जेआरएफ व गेट में चयनित हुए हैं। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस डिग्री कॉलेज से 17 विद्यार्थियों को नेट जेआरएफ गेट मे चयनित होना क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।कॉलेज प्रबंधन समिति के साथ डीन डॉ. हेमंत कुमार, विभागाध्यक्ष अर्चना साहू, डॉ. डीआर भारद्वाज, डॉ. जितेंद्र जिंदल, प्रो. विकास यादव, सोमबीर, सचिन सुरा उपस्थित रहे।

समाज में ऐसी व्यवस्था बनाएं की जरूरतमंदों को मांगकर नहीं लेनी पड़े मदद: उदयनारायणाचार्य

नांगल चौधरी। दौंखेरा के वीर हनुमान मंदिर में एक दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसमें महंत उदयनारायणाचार्य ने आर्थिक रूप से संपन्न लोगों को समाज से जुड़कर रहने का संदेश दिया। कहा कि समाज में ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जिससे जरूरतमंदों को मांगकर मदद लेने की शर्मिंदा नहीं झेलनी पड़े। यह परोपकार भावना, शिक्षा के प्रसार व धार्मिक ग्रंथों के अध्यन से ही संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में समाज तीन वर्गों में विभाजित हो गया है। गरीब वर्गीय समाज के बच्चे शिक्षा व दैनिक उपयोगी वस्तुओं के लिए तरसते हैं। आपूर्ति के लिए उन्हें संपन्न लोगों से मदद मांगनी पड़ती है। मध्यम वर्गीय समाज के पास आमदनी के पर्याप्त स्रोत नहीं होते, बावजूद उन्हें सामाजिक परंपराओं को उन्हें संपन्नता से निभाना पड़ता है।

खबर संक्षेप

राकेश राव बने मेरी बेटी मेरा अभिमान के अध्यक्ष

धारूहेड़ा। मेरी बेटी मेरा अभिमान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को धारूहेड़ा एक निजी भवन में संपन्न हुई। इस मौके पर राकेश राव जोनियांवास को फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। इस मौके पर राकेश राव जोनियावास राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूनम जैन को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, करुणा यादव राष्ट्रीय सचिव, संगठन मंत्री मनोज कुमार, सुनीता यादव कानूनी सलाहकार राष्ट्रीयकोषाध्यक्ष दिनेश यादव जोनियावास, संदीप यादव खेड़ी खातीवास को संयुक्त सचिव प्रमिला, सहित कार्यकारिणी सर्व सम्मति से चुनी गई।

निकी यादव ने बढ़ाया कोसली गांव का मान

कोसली। कोसली निवासी निकी यादव ने 30 अप्रैल को घोषित नेट जेआरएफ के परीक्षा परिणाम में 192वां रैंक प्राप्त कर अपने परिजन व गांव को गौरवान्वित किया है। प्रथम प्रयास में भौतिक विज्ञान विषय में जेआरएफ एवं एसिस्टेंट प्रोफेसर के लिए क्वालीफाई करने वाली निकी यादव ने स्नातकोत्तर एवं बीएड मदवि से की थी।

निकी यादव

नेट उत्तीर्ण करने पर मोनिका को बधाई

कोसली। झाल गांव निवासी मोनिका राजपूत ने नेट जेआरएफ के परीक्षा परिणाम में 58वां रैंक प्राप्त कर अपने परिजन व गांव का नाम रोशन किया है। द्वितीय प्रयास में विज्ञान विषय में जेआरएफ एवं एसिस्टेंट प्रोफेसर के लिए क्वालीफाई करने वाली मोनिका राजपूत ने स्नातकोत्तर इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर से की थी।

मोनिका राजपूत

परिजनों को दिया नीतू ने सफलता का श्रेय

कोसली। साल्हावास गांव निवासी नीतू गर्ग ने 30 अप्रैल को घोषित नेट जेआरएफ के परीक्षा परिणाम में 64वां रैंक प्राप्त कर अपने परिजन व गांव का नाम रोशन किया है। भौतिक विज्ञान में जेआरएफ एवं एसिस्टेंट प्रोफेसर के लिए क्वालीफाई करने वाली नीतू भौतिक विज्ञान व गणित में स्नातकोत्तर हैं तथा टीजीटी का एचटेट पास कर चुकी हैं।

नीतू गर्ग

एमएलए लक्ष्मण पर्यावरण समिति के चेयरमैन बने

रेवाड़ी। हरियाणा विधानसभा स्पीकर ने विधायक लक्ष्मण सिंह यादव को हरियाणा विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण समिति में वर्ष 2025-26 के लिए गठित की गई कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया है। इसके अलावा विधायक लक्ष्मण यादव को पब्लिक हेल्थ, कृषि, पावर, पब्लिक वर्क्स बिल्डिंग एंड रोड तथा पैटिशिन कमेटी का भी सदस्य मनोनित किया गया है। गत दिवस हरियाणा विधानसभा स्पीकर की ओर से हरियाणा विधानसभा की विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया।

संस्कार निर्माण का कार्यक्रम कल होगा

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से 4 मई को पंजाबी धर्मशाला में संस्कार निर्माण का कार्यक्रम भगवान श्री कृष्ण से सीखें-जीने की कला का आयोजन किया जा रहा है। संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं सरपंच रामनरेश यादव विशिष्ट अतिथि रहेंगे। संस्था की ओर से नई दिशा मंच के जिला प्रधान एडवोकेट निशांत यादव, समाजसेवी दयानंद आर्य, तथा मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

खरीदी गई फसल पर मौसम की मार, खुले में पड़े कट्टों की सुरक्षा के भी नहीं इंतजाम

⏭ जिले की तीनों अनाजमंडियों में बंद हो चुकी सरसों की खरीद ⏭ 15 मई तक की जाएगी गेहूं की खरीद ⏭ गत वर्ष से इस बार सरसों की आवक 5 लाख क्विंटल के करीब कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

अनाजमंडियों में खरीदी गई सरसों व गेहूं के कट्टे खुले में पड़े हुए है वही गोदामों में भी फसल कि लिए खास इंतजाम नहीं किए गए है। वेयर हाउस के गोदाम के बाहर ही लाखों कट्टे खुले में मौसम की मार झेल रहे है। शुक्रवार अल सुबह आई बरसात में वेयरहाउस गोदाम में खुले में पड़े फसलों के कट्टे भीग गए।

गेहूं भीगने के बाद विभाग की नींद टूटी और कट्टों को आनन-फानन में तिरपाल से ढका गया। वही गेहूं की सुरक्षा के भी पूरे इंतजाम नहीं है। गेहूं के कट्टे रस्सी से बनाई चारदीवारी में रखे हुए है। जिले की रेवाड़ी, बावल व कोसली अनाजमंडियों में सरसों की सरकारी खरीद बंद हो चुकी है, जबकि गेहूं की सरकारी खरीद 15 मई तक की जाएगी। गत वर्ष की अपेक्षा इस बार सरसों की आवक 5 लाख क्विंटल के करीब कम हुई है। गत वर्ष जिले की तीन अनाजमंडियों में करीब 12.5 लाख क्विंटल सरसों की खरीद की गई थी, वही इस बार 7.91 लाख क्विंटल के करीब सरसों की सरकारी खरीद हुई है। इसके अलावा रेवाड़ी अनाजमंडी में 118024 क्विंटल सरसों की प्राइवेट खरीद की जा चुकी है। रेवाड़ी में हैफेड तथा कोसली व बावल अनाजमंडी में वेयरहाउस कार्पोरेशन की ओर से सरसों की खरीद की गई थी, जबकि गेहूं की खरीद हैफेड व फूड एंड सप्लाई विभाग की ओर से की जा रही है। खरीदी गई सरसों का उठान होने पर किसानों के खातों में करोड़ों रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में फड पर लगी सरसों की ढेरियां व वेयरहाउस के गोदाम के पास खुले में रखे कट्टे। फोटो : हरिभूमि

तीनों मंडियों में खरीदी गई सरसों

हैफेड की ओर से रेवाड़ी अनाजमंडी में एक मई तक 283071 क्विंटल सरसों की खरीद की गई है, जबकि 118024 क्विंटल सरसों की प्राइवेट खरीद की गई है। इसके अलावा बावल अनाजमंडी में वेयरहाउस कार्पोरेशन की ओर से 102451 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। वेयरहाउस के खरीद अधिकारी जगदीश बांगड़ ने कोसली अनाजमंडी में वीरवार तक 405978 क्विंटल सरसों की आवक हुई है, जिसमें से 386108 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। कोसली अनाजमंडी में बकाया सरसों की खरीद शुक्रवार को की गई। कोसली अनाजमंडी से सरसों के 645070 बैग का उठान भी हो चुका है। गत वर्ष रेवाड़ी अनाजमंडी में 585539 क्विंटल, कोसली अनाजमंडी में 485060 क्विंटल व बावल अनाजमंडी में करीब 2.5 लाख क्विंटल सरसों की खरीद की गई थी।

रेवाड़ी। वेयरहाउस के गोदाम के पास खुले में पड़े कट्टे। फोटो : हरिभूमि

गेहूं की सरकारी खरीद के आंकड़े

हैफेड के प्रबंधक मनोज यादव ने बताया कि कोसली अनामंडी में अब तक आए 243138 क्विंटल गेहूं में से 229661 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है तथा गेहूं के 407240 बैग का उठान भी हो चुका है। मंडी में अब गेहूं की आवक धीमी हो चुकी है। इसके अलावा रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक 109402 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है। बावल अनाजमंडी में गेहूं की आवक काफी कम रही। बावल मंडी में 6702 क्विंटल गेहूं ही खरीदा गया है। इसके अलावा रेवाड़ी अनाजमंडी में 5740 क्विंटल गेहूं की प्राइवेट खरीद भी की जा चुकी है।

बाइक चोरी करने के मामले में एक काबू

बावल। बावल थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहल्ला वैधवाडा बावल निवासी मनीष के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जिला महेंद्रगढ़ के गांव नांगल हरनाथ हाल आबाद मौहल्ला कानुगा बावल निवासी अमित कुमार ने 22 नवंबर 2020 को अपने भाई की बाइक को घर के बहार खड़ा किया था, जिसे कोई व्यक्ति चोरी करके ले गया है।

पुलिस ने मामले में एक आरोपी गांव गुमिना निवासी हेमराज को चोरी की बाइक सहित पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी हेमराज ने बताया था कि उसने कंपनी में काम करने वाले अपने साथी मनीष से पांच हजार रुपये में बाइक खरीदी थी।

पुलिस पर पथराव करने का आरोपी गिरफ्तार

■ पुलिस पांच आरोपियों को पहले ही कर चुकी है गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

सीआईए कोसली पुलिस की टीम ने वर्ष 2016 में शहर के राजेश पायलट चौक पर नाकाबंदी के दौरान पुलिसकर्मियों पर पथराव करके जान लेवा हमला करने के मामले में संलिप्त एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव अरखंन का बास ढाकपुरी निवासी कालू उर्फ शाहिद के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। 29-30 मार्च 2016 की रात को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक पिकअप गाड़ी में गोकशी के लिए गायों को भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने राजेश पायलट चौक के पास तुरंत नाकेबंदी शुरू कर दी। कुछ समय बाद गायों से भरी बिना नंबर प्लेट की एक पिकअप गाड़ी वहां आई, जिसमे 6-7 व्यक्ति बैठ हुए थे। गाड़ी चालक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, तो उसने गाड़ी तेज रफ्तार से सेक्टर 3 से गांव ढालियावास व सेक्टर 18 के रोड पर भाग ली। पुलिस ने गाड़ी का पीछा किया तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर पत्थरबाजी करते हुए जानलेवा हमला करके पुलिस की गाड़ी को टक्कर मारने की कोशिश की, जिससे पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना मॉडल टाउन में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में पांच आरोपी शागीर उर्फ समीर, साकिर, दिलशाद, तालिम उर्फ भोला व साजिद उर्फ किडडू उर्फ टीडू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। सीआईए कोसली ने वीरवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी कालू उर्फ शाहिद को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी कालू उर्फ शाहिद। फोटो : हरिभूमि

एफडी पर धोखाधड़ी से लिया 5.5 लाख रुपये का लोन

■ केवीईसी अपडेट कराने के नाम पर डाउनलोड कराई ऐप

रेवाड़ी। बैंक खाते की केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर साइबर ठगों ने प्राणपुरा के एक व्यक्ति से ऐप डाउनलोड कराने के बाद एफडी पर 5.5 लाख रुपये का लोन ले लिया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

प्राणपुरा निवासी स्वयंबीर सिंह ने साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उसके पास गत 29 अप्रैल को अनजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने उसे बताया कि उसकी बैंक केवाईसी पेंडिंग हैं। अगर केवाईसी अपडेट नहीं कराई, तो उसका खाता स्थाई तौर पर बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद फोन करने वाले ने उसे व्हाट्स ऐप कॉल करने को कहा। उसने व्हाट्स ऐप पर कॉल की तो फोन करने वाले ने उसे बैंक ऑफ महाराष्टाकी ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा। उसने यह ऐप डाउनलोड कर ली। उसे बैंक ऐप में खाता नंबर, आधार नंबर और मोबाइल नंबर भरने को कहा गया। उसने ऐसा करने से मना कर दिया।

दो बार लिया लोन

स्वयंबीर सिंह ने बताया कि उसने बैंक में एफडी कराई हुई है। बाद में उसे पता चला कि उसकी एफडी पर एक बार 3.60 लाख व दूसरी बार 1.90 लाख रुपये का लोन लिया गया है। इस तरह उसके साथ 5.5 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई है। उसने साइबर हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस को भी शिकायत दर्ज कराई है।

गोपालपुरा के ग्रामीणों ने ली पानी बचाने की शपथ

रेवाड़ी। ग्राम पंचायत गोपालपुरा-प्राणपुरा में ग्रामीणों की ओर से जल संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी ग्रामीणों ने गर्मी के मौसम में पानी बचाने की शपथ भी ली। सरपंच प्रतिनिधि सुबे सिंह ने ग्रामीणों से पानी को व्यर्थ न बहाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी अपने पेयजल कनेक्शन के नल पर टोंटी लगाएं ताकि पानी की बर्बादी को रोका जा सके। बैठक में रामदत्त शर्मा, सुभाष चंद पंच, सतीस कुमार, ब्रह्मानंद, बाबूलाल शर्मा, धर्मवीर यादव, लाल सिंह, सरस्वती, बीना देवी, कमलेश देवी, सुनीता व मास्टर ट्रेनर स्नेहलता सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

नई बिछाई जा रही बिजली लाइन के तार चोरी

कोसली। राजस्थान के खेतड़ी से दिल्ली के नरेला के बीच बिछाई जा रही 765 केवी क्षमता की डीसी बिजली लाइन से मुमताजपुर से गढ़ी के बीच लाखों रुपये के तार चोरी हो गए। चोरों ने लाखों रुपये का सामान भी डैमेज कर दिया।

थाना कोसली पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी। इससे पूर्व भी कारोली के निकट चोर इस लाइन से तार चोरी व सामान डैमेज करने की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस शिकायत में ट्रासरेल लाइटिंग लि. कंपनी के सीनियर ऑफिसर हरेराम ठाकुर ने बताया कि उसकी कंपनी ने खेतड़ी से नरेला के बीच ट्रांसमिशन लाइन बिछाने का ठेका लिया हुआ है।

राजियंस ने एनडीए में भी दिखाया दमखम

■ परीक्षा में सफल छात्रों और उनके शिक्षकों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

राज इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने हाल ही में हुई जेईई मेंस और एनडीए परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। संस्थान की ओर से परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले सभी छात्रों और उनके शिक्षकों को सम्मानित किया गया। 12वीं के छात्र अमन, निहाल और कशिश ने एनडीए की लिखित परीक्षा क्वालीफाई कर शानदार परिणाम दिया। राजियंस मितुल, साक्षी, विवेक, निहाल, सूरभी, कुशाग्र, आशु, आर्यन, हर्षप्रीत, जिया, अमन यादव, रुपेश, पलक, तमन्ना, कशिश और अमन भाटी ने अच्छे अंकों के साथ जेईई मेंस परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया। परीक्षा में राजियंस मितुल ने 99.1 प्रतिशत अंक के साथ उपलब्धि हासिल कर अपने परिजनों व स्कूल का नाम रोशन किया। वही कुशाग्र ने 98.8 प्रतिशत, साक्षी ने 98.7 प्रतिशत और सुर्भी ने 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। स्कूल चेयरमैन राजेन्द्र सैनी ने सभी गुरुजनों, अभिवावको व विद्यार्थियों को बधाई दी। स्कूल निदेशक नवीन सैनी, जितेन्द्र सैनी, हेमंत सैनी और प्राचार्य कुलदीप ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

पंचायत समिति के पास विकास के लिए पर्याप्त धन : करणपाल

■ भाजपा के शासनकाल में ग्रामीण क्षेत्रों का तेजी से हो रहा विकास

डहीना। डहीना पंचायत समिति के चेयरमैन करणपाल खोला ने कहा कि ब्लॉक में विकासकार्य कराने के लिए ब्लॉक समिति के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है। जहां भी जरूरत पड़ती है, वहीं पंचायत समिति की ओर से विकासकार्य कराए जा रहे हैं। खोला शुक्रवार को सीहा गांव के राधाकृष्ण मंदिर में चल रहे टीन शेड के कार्य का निरीक्षण कर करने के बाद ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के आशीर्वाद और कैबिनेट मंत्री आरती राव के सानिध्य में वह अपने ब्लॉक के गांवों में लगातार विकासकार्य करा रहे हैं। जिन गांवों में विकासकार्यों के लिए ज्यादा धन की जरूरत है, वहां दोनों मंत्रियों से धन मुहैया कराने की अपील की जाती है। भाजपा के शासनकाल में ग्रामीण क्षेत्रों का तेजी से विकास हो रहा है। पहले की अपेक्षा पंचायती राज संस्थाओं को ज्यादा धन मिल रहा है।

रेवाड़ी। चेयरमैन करणपाल का स्वागत करते महंत व ग्रामीण।

बैठक सचिव डा. अमित अग्रवाल ने वीसी से की सीएम विंडो व समाधान शिविर की समीक्षा

नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई करने के दिए निर्देश

शिविर में आने वाली शिकायतों के समाधान की रिपोर्ट अपडेट रखें अधिकारी : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार को समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं।

समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता से निदान करने के लिए समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर डाटा अपडेट रखा जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि विभागाध्यक्ष समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों के निदान की रिपोर्ट अपडेट रखना सुनिश्चित करें। शुक्रवार को पंचायत विकास एवं सूचना, जनसंपर्क विभाग हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव डा.अमित कुमार अग्रवाल ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रदेश भर के उपायुक्तों के साथ सीएम विंडो व समाधान शिविर की प्रगति रिपोर्ट लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए नियमित निगरानी और त्वरित कार्रवाई करना करें।

रेवाड़ी। समाधान शिविर की समीक्षात्मक बैठक लेते डीसी अभिषेक मीणा।

अपडेट स्थिति से अवगत कराया

डीसी ने आयुक्त एवं सचिव को जिले में समाधान शिविर व सीएम विंडो की अपडेट स्थिति से अवगत कराया। डीसी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सफाई, प्रॉपर्टी आईडी व अवैध कब्जे से संबंधित लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटान करें। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को अधिकारी अच्छे से जांच करके उस शिकायत का समाधान करें और इसकी रिपोर्ट भी भिजवाएं। डीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री आमजन से जुड़ी योजनाओं व सेवारत पोर्टल की स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं, ऐसे में सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग से संबंधित शिकायतों को उक्त पोर्टल पर समाधान सुनिश्चित करने में सक्रियता बरतें। उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान शिविर में आई हर शिकायत को गंभीरता से लेकर जल्द से जल्द उनका निवारण करें।